ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–96
दिनांक– शुक्रवार, 26 दिसम्बर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 17.1 एवं 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 98.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 83.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 0.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 14.7 एवं दोपहर में 18.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(27–31 दिसम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 27–31 दिसम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर–पश्चिम भारत में सक्रिय मौसमीय सिस्टम के प्रभाव से तापमान में गिरावट आने की संभावना है। हवा में नमी की मात्रा अधिक रहने तथा लगातार पछुआ हवाएँ चलने के कारण उत्तर बिहार के जिलों में ठंड बढ़ सकती है। जेट हवाओं के प्रभाव से कोल्ड डे की स्थिति बने रहने की सम्भावना है। सुबह के समय मध्यम स्तर का कुहासा छाए रहने की संभावना है। मौसम शुष्क रहने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान 15 से 16 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 5–6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है, जिसके कारण तापमान–संवेदनशील फसलों जैसे टमाटर, मटर एवं आलू पर कम नमी के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतः इन फसलों के खेतों में पर्याप्त नमी बनाए रखें। सब्जी वाली फसलों में आवश्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई एवं सिंचाई करें। अगात बोई गई मटर की फसल में चूर्णिल फफूंदी (पाउडरी मिल्ड्यू) रोग की निगरानी करें। इस रोग में पत्तियों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई देता है। इसके नियंत्रण हेतु कैराथेन दवा 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- गेहूँ की फसल यदि 40–45 दिनों की हो गई हो तो दूसरी सिंचाई के साथ 30 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। विलंब से बोई गई गेहूँ की फसल जो 21–25 दिनों की अवस्था में हो, उसमें सिंचाई के बाद 30 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। गेहूँ की बुआई के 30–35 दिनों बाद (पहली सिंचाई के पश्चात) फसल में विभिन्न प्रकार के खरपतवार उग आते हैं, जो तेजी से बढ़कर गेहूँ की वृद्धि एवं उपज को प्रभावित करते हैं। इनके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फ्यूरॉन 33 ग्राम एवं मेटसल्फ्यूरॉन 20 ग्राम प्रति हेक्टेयर को 500 लीटर पानी में घोलकर खड़ी फसल पर छिड़काव करें।
- मक्का की फसल में तना बेधक कीट की नियमित निगरानी करें। इसकी सूंडियाँ कोमल पत्तियों को खाकर मध्य कलिका से तने में प्रवेश कर गूदे को खाती हुई जड़ों की ओर सुरंग बनाती हैं, जिससे मध्य कलिका मुरझाकर बाद में सूख जाती है। नियंत्रण हेतु अंकुरण के दो सप्ताह बाद फोरेट 10 जी या कार्बोफ्यूरान 3 जी के 7दृ8 दाने प्रति गाभा दें। अधिक प्रकोप की स्थिति में डेल्टामेथ्रिन 250–300 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। नवम्बर के प्रारम्भ में बोई गई मक्का की फसल जो 50–60 दिनों की अवस्था में हो, उसमें 50 किलोग्राम नत्रजन उर्वरक का प्रयोग कर मिट्टी चढ़ाएँ।
- सरसों की फसल जो पुष्प अवस्था पार कर चुकी हो, उसमें सरसों लाही की निगरानी करें, क्योंकि इसके प्रकोप से उपज में भारी कमी आ सकती है। कीट दिखाई देने पर 50–100 पीले चिपचिपे फंदे (फेरोमोन ट्रैप) प्रति एकड़ लगाएँ तथा अधिक नुकसान की स्थिति में इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल की 1 मिलीलीटर मात्रा को 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- आलू की फसल से खरपतवार निकालें तथा आवश्यकतानुसार 10–15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें। साथ ही आलू में कटवर्म अथवा कजरा पिल्लू की निगरानी रखें। पिछात मटर की फसल में निकाई–गुड़ाई करें तथा फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों के अंदर प्रवेश कर दानों को खाते हैं, जिससे फलियाँ खाने योग्य नहीं रहतीं और उपज में भारी कमी आती है। कीट प्रबंधन हेतु प्रकाश फंदों का उपयोग करें तथा 15–20 टी–आकार के पक्षी बैठका प्रति हेक्टेयर लगाएँ। अधिक प्रकोप होने पर क्विनालफॉस 25 ईसी या नोवाल्यूरॉन 10 ईसी की 1 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए 2 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव लाभकारी रहेगा।

आज का अधिकतम तापमानः 15.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 8.4 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी